GOVT. BRENNEN COLLEGE
CENTRAL LIBRARY
THALASSERY

K19P 1413

Reg. No. : .....
Name : .....

I Semester M. A. Degree (CBSS - Reg./Supple./Imp.) Examination, October 2019
(2014 Admission Onwards)
HINDI
HIN1C01 : MEDIEVAL HINDI POETRY

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. किन्हीं चार प्रश्नों की व्याख्या कीजिए : **(4 × 5 = 20)**

1. प्रिय प्रथिराज नरेस जोग लिपि कम्मर दिन्नौ
लगन बरग रधि सरब दिन्न द्वादस ससि लिन्नौ सें ग्यारह अरु तीस साख सँवत परमानह।
जो पित्री-कुल, सुद्ध, बरनि, बरि रक्खह प्रानह। दिमैत, दिट्ठ उघरिय वर इक पलक विलंब न करिये
अलगारि रयनि दिन पैप मँह ज्यों रुकमिनिकन्हरवरिय।

2. पूजा-सेवा-नेमब्रत, गुडियन का सा खेल।
जब लग पिउ परसै नहीं, तब लग संसय मेला।।
जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का पडा रहन दो म्यान।।
हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज हुलीचा डारि।
स्वान-रूप संसार है, भूंकन दे झक मारि।।

3. पिउ बियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले 'पिउ पीऊ'।।
अधिक काम दाधै सो रामा। हरि लेइसुवा गएउ पिऊ नामा।।
बिरह बान तस लाग न डोली। रकत पसीज, भीजि गई चोली।
सूखाहिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी।।
खन एक आब पेट मंह सांसा। खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा।।
पवन डोलावहिं सींचहिं चोला। पहर एक समुझहिं मुखबोला।।
प्रान पयान होत को राखा? को सुनाब त्रीतम कै भाखा?

P.T.O.

4. तेरो बुरो न कोऊ मानै।
रस की बात मधुप नीरस, सुनु, रसिक होत तो जानै।।
दादुर बसै निकट कमलन के जन्म न रस पहिचानै।
अलि अनुराग उड़न मन बांध्यो कहे सुनत नहीं कानै।।
सरिता चलै मिलन सागर को कूल मूल द्रुम भानें।
कायर बकै, लोह तें भाजै, लरै जो सूर बखानै।

5. नभ दुंदुभी बाजहिं विपुल गन्धर्व किन्नर गावहीं।
नाचहिं अपछरा वृंद परमानन्द सुर मुनि पावहीं।।
भरतादि अनुज विभीषनांगद हनुमदादि समेत ते।
गहें छत्र चामर व्यजन धनु असि चर्म सक्ति बिराजते।।
श्री सहित दिनकर बंस भूषन काम बहुछवि सोहई।
नव अंबुधर वर गात अम्बर पीत सुर मन मोहई।।
मुकुटांगदादि विचित्र भूषन अंग अंगन्हिं प्रति सजे।
अंभोज नयन विसाल उर भुज धन्य नर निरख तिजे।।

6. खौरि - पनिच भृकुटि धनुष बधिक समरु तनि कानि।
हनत-तरुन मृग-तिलक-सर-सुरक भाल भरितानि।।

7. तीछन ईछन बान बखान सो पैनी दसा न लै सान चढावत।
प्राननि प्यासे, भरे अति पानिप, मायल धायल चोप बढावत
यौ घनआनंद छावत भावत जान-सजीवन ओरतें आवत
लोग हैं लागि कवित्त बनावत मोंहि तो मेरे कवित्त बनावत।

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के आलोचनात्मक उत्तर लिखिए : **(3 × 8 = 24)**

8. कबीर की भक्ति भावना।
9. सूरदास का वात्सल्य वर्णन।
10. बिहारी की काव्यगत विशेषताएं।
11. तुलसी की लोकमंगल भावना।
12. पद्मावत का विरह वर्णन।

III. किन्हीं तीन प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए : **(3 × 12 = 36)**

13. तुलसी की काव्यदृष्टि पर विचार कीजिए।
14. 'कबीर एक विद्रोही कवि है' - समर्थन कीजिए।
15. रीतिकालीन कवियों में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए।
16. प्रेमगाथा काव्य परम्परा में जायसी के योगदान पर प्रकाश डालिए।
17. सूरदास के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।